SINCE 1949

दैनिक सांध्यकालीन

ललकार

ललकार ऑनलाइन पढ़ने के लिए क्लिक करें: www.lalkarnews.in

भाई-बहन के... ▸▸02

Digital E-paper ■ जयपुर, मंगलवार 29 अगस्त, 2023 ■ समूह सम्पादक : अनिल सारसीना ■ पृष्ठ 4

विज्ञान भवन नई दिल्ली में दो दिवसीय आयुषकॉन-2023 कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक सम्पन्न

पद्मश्री प्रो. ख़ादर वली के साथ कई जाने माने दिग्गजों को आयुषकॉन एक्सलेन्स अवार्ड - 2023 से किया सम्मानित

ललकार

नई दिल्ली। 26-27 अगस्त, 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयुषकॉन द्वारा आयुषकॉन-2023 का सफल आयोजन किया गया। विषय था 'सिनेर्जस यूज़ फॉर हिलीयिंग'। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में इंडियन के सम्मान महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, केंद्रीय मुख्य राज्य मंत्री श्रीपाद नैकाल चौधरी जी, बिहार प्रान्त के मंत्री विभाग प्रमुख श्री अनिल कुमार जी, आयोग भारती के महीन संस्थान मार्ग श्री आशीष कार्यालय जी, राष्ट्रपतियों श्री दीपक ठाकुर जी उपस्थित रहे। आगे उद्घाटन भाषण में आयुषकॉन के मेडिकल डॉ.विनित कुमार जी ने सब का उपस्थित उनकी विशेष अतिथियों को प्रति एवं अतिथि जिन देवा सम्मानित किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, केन्द्रीय मंत्री श्री श्रीपाद नैकाल चौधरी जी, श्री अनिल ठाकुर जी, श्री आशीष कार्यालय जी तथा श्री दीपक ठाकुर जी का स्वागत किया और आयुषकॉन-2023 के इस आयोजन में उनकी उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया।

डॉ.विनित कुमार जी ने अपने उद्घाटन भाषण में सभी गणमान्य महानुभावों श्री पीयूष गोयल जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज उन्हीं के प्रयासों से भारत चौदहवा अमृत महोत्सव में मनाया गया। यह वर्ष हम सब भारतवासियों के लिए गौरव का क्षण है। आयुषकॉन-2023 के इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने गांव अंचल तक को आयुष से जोड़ा है। उन्होंने आयुष में आयुष्मान भारत के अन्तर्गत 'हर घर आयुष' योजना का उल्लेख किया। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में भारत की 120 से अधिक भी बढ़ रहे हैं। नहीं आयोग ने न केवल भारतीयों की सहायता की, बल्कि उन्होंने भारत में भारतवासियों पूरी सेवा देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष को मान्यता मिली है। डॉ विनित कुमार जी ने वैज्ञानिक को सहयोग करने की अपील की, साथ ही उन्होंने भारत में भारतवासियों को उपचार भोजन अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि एक ऐसी प्रधानमंत्री है, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित कराया। उन्होंने कहा कि 2022-23 मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अगर आज हम लोग आयुर्वेद के क्षेत्र में महान रहा है। भारत के ऋषि-मुनियों का ये आधार रहा है। मिलेट्स वर्ष मनाने से उपयोग में, विशेषतः उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार है जो भारत बना है, इसके लिए, भारत के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि अगर आयुष का भारत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत पूरे वर्ष आयुष मंत्रालय कार्यालयों का आयोजन करता रहता है और लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने उपस्थित सभी योगदानों से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के मंत्रित्व को लोगों तक पहुंचाएं।

आयुष संवर्द्धन के लिए, डॉ विनित कुमार ने प्रधानमंत्री जी द्वारा घोषित मुहिम के प्रयासों के लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने पहले आयोग के राष्ट्रीय के बारे में बताते हुए कहा कि हम सबको सहमति आयोग के मार्ग का पालन करना चाहिए।

डॉ. विनित कुमार जी ने इस मिलेट्स वर्ष को अंतरराष्ट्रीय महत्व का वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जनजागरण है। जनजागरण नहीं अगर आपने की। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि मिलेट्स ने पालकर, प्रोटीन होता है। इसे पैदा करने में कम पानी और कम फर्टीलाइजर लगता है। इसे कम पानी वाले इलाकों में उगाया जा सकता है। डॉ विनित कुमार ने मिलेट्स अगवाल के दो लाभ - एक स्वास्थ्य लाभ और दूसरा आर्थिक लाभ। उन्होंने कहा कि इससे भारत को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। डॉ विनित कुमार जी ने बताया कि हम इस वर्ष मिलेट्स वर्ष के साथ साथ पहली आईवर की 120 वीं जयंती भी मना रहे हैं। नहीं आयोग ने न केवल भारतवासियों की सहायता की, बल्कि उन्होंने भारत में भारतवासियों दुनियाभर देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष को मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि आयुष देते हुए कहा कि ये एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित कराया। उन्होंने कहा कि 2022-23 मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अगर आज हम लोग आयुर्वेद के क्षेत्र महान रहा है। भारत के ऋषि-मुनियों का ये आधार रहा है। मिलेट्स वर्ष मनाने से उपयोग में, विशेषतः उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार है जो भारत बना है, इसके लिए, भारत के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि अगर आयुष का भारत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत पूरे वर्ष आयुष मंत्रालय कार्यालयों का आयोजन करता रहता है और लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने उपस्थित सभी योगदानों से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के मंत्रित्व को लोगों तक पहुंचाएं।

गोयल जी के प्रयासों के लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने पहले आयोग के राष्ट्रीय के बारे में बताते हुए कहा कि हम सबको सहमति आयोग के मार्ग का पालन करना चाहिए।

डॉ. विनित कुमार जी ने इस मिलेट्स वर्ष को अंतरराष्ट्रीय महत्व का वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जनजागरण है। जनजागरण नहीं अगर आपने की। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि मिलेट्स ने पालकर, प्रोटीन होता है। इसे पैदा करने में कम पानी और कम फर्टीलाइजर लगता है। इसे कम पानी वाले इलाकों में उगाया जा सकता है। डॉ विनित कुमार ने मिलेट्स अगवाल के दो लाभ - एक स्वास्थ्य लाभ और दूसरा आर्थिक लाभ। उन्होंने कहा कि इससे भारत को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। डॉ विनित कुमार जी ने बताया कि हम इस वर्ष मिलेट्स वर्ष के साथ साथ पहली आईवर की 120 वीं जयंती भी मना रहे हैं। नहीं आयोग ने न केवल भारतवासियों की सहायता की, बल्कि उन्होंने भारत में भारतवासियों दुनियाभर देने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आज आयुष को मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि आयुष देते हुए कहा कि ये एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित कराया। उन्होंने कहा कि 2022-23 मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। अगर आज हम लोग आयुर्वेद के क्षेत्र महान रहा है। भारत के ऋषि-मुनियों का ये आधार रहा है। मिलेट्स वर्ष मनाने से उपयोग में, विशेषतः उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार है जो भारत बना है, इसके लिए, भारत के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि अगर आयुष का भारत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत पूरे वर्ष आयुष मंत्रालय कार्यालयों का आयोजन करता रहता है और लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने उपस्थित सभी योगदानों से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के मंत्रित्व को लोगों तक पहुंचाएं।

आयोग भारती के महीन संस्थान मार्ग श्री आशीष कार्यालय जी ने अपने भाषण की शुरुआत भारत माता के जयकारों से किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जब आयोग प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम उचित दिशा में सफल रहे। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री जी गौर मोदी के सुशासन नेतृत्व की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने सम्मेलन मेडिकल डॉ विनित कुमार जी का भी विशेष धन्यवाद किया और कहा कि आज सबसे जानने के मिलेगी कहा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य हमारे आज का आधार है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि वे दमाबाद के बाहुबलि (पश्चिमबंगाल) का बासी हूँ, जहाँ हमने बचपन से आज तक बाकी की सेवी खाई है। उन्होंने कहा कि हम लोग अपने पूर्वजों को याद करते हैं। और जब प्रधानमंत्री जी गौर मोदी जी ने इस वर्ष को मिलेट्स वर्ष घोषित किया तो सबसे ज्यादा खुशी उन्हीं को हुई। उन्होंने मिलेट्स को लेकर भारत में एक विश्व किया जिसमें कहा जाता था कि भारत में मिलेट्स गरीबों का भोजन है। उन्होंने हमारे लिए आयोगों को सलाह की कि उन्होंने गरीबों के अवसर को सभी वर्ग का भोजन बना दिया और आज मिलेट्स गरीबों का नहीं, बल्कि सबका भोजन। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जी आज राष्ट्र देखा मिलेट्स को भी सम्मान दिया है, इसके लिए वे सब उनके आभारी हैं। उन्होंने आज किसानों भी उन्हें सबसे पहले भारत का सम्मान हो देखा जाना चाहिए। उन्होंने डॉ.सुनीलजी, गौर तथा सभी ज्ञानवान को आभारी पर जोर दिया। गौर जी बिहार चौधरी जी ने कहा कि आज से 50-60 साल पहले तक हेल्थिलिक मेडिसिन नहीं लेते थे। सब कुछ अनवरत लगे-पैर हुई चीजों से लोग ठीक हो जाता था।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्रीपाद नैकाल चौधरी जी के आगमन उद्घाटन के बाद कई गणमान्य लोगों को 'आयुषकॉन 2023 एक्सिलेन्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं- डॉ.वेंकटेश, डॉ.सोनी अग्रवाल,डॉ.विनित कुमार यादव,डॉ विक्रमादित्य चौधरी,डॉ. अमित शर्मा,डॉ. पी के मिश्रा,डॉ. रवि मोदी,डॉ.आदर्श जोशी,डॉ.पूजा कुमार,डॉ. नीरज कुमार,डॉ.मनोज कुमार,डॉ.मनीष कुमार,डॉ.सुनील कुमार,डॉ.रोहित मिश्रा,डॉ. अमरीश सिंह जी, डॉ. अखिलेश शर्मा जी और गवाही जी, डॉ.आशा भारती जी ने आयुष एवं योग के आधुनिक महत्व का प्रकाश डाला। प्रकाश आयुर्वेद लेन विशेषज्ञ डॉ विक्रमादित्य चौधरी ने आयुर्वेद के अन्तर्राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित किया।डॉ.विक्रमादित्य चौधरी ने अपने भाषण में बेहद के प्रति उन्होंने सोशलमीडिया माध्यम किया और बताया कि किस मेडिक प्रभावी प्रोटीन में पहले से ही विद्यमान हैं, यानी लोकल तौर की उपज से ये भोजन शरीर को पोषणकारी है।

भारतीय योग संस्थान के डी देवनाथ ने उपस्थित वैज्ञानिकों को योग का महत्व बताते हुए प्राणायाम के बारे में भी बताया। आयोगदेवनाथ को योग वैज्ञानिक डॉ. नीता कुमार ने आयुर्वेद उपचार के साथ साथ नियमित प्राणायाम के प्रति प्रकाश डाले की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर आप हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनानी है तो अनुशासित भोजन अपनाना चाहिए। उन्होंने अनुशासित मिलेट्स को अपना कर हम अपना और अपने परिवार का स्वास्थ्य बेहतर रख सकते हैं।

दूसरे दिन अगस्त 26 अगस्त, 2023 के आयोजन की शुरुआत उस आयुर्वेद वर्ष की एक कविता से हुई। पुस्तक के इस भाग में राष्ट्रीय आयुष संस्थान के संचालक डॉ. विनित कुमार के साथ डॉ. दुर्गा यादव जी, डॉ. मनमोहन मोर जी और डॉ. रामशंकर मीना जी ने अपने विचार में रखे। डॉ. विनित कुमार ने बताया कि नहीं लोगों को तड़ आधुनिक जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि लोगों ने योग, सात्विक भोजन को अपना भगवान एवं साथ छूट जाना नहीं छोड़ते, यही कारण है कि आज औषधियों एवं आयुष्मान भारत ने लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया और भविष्य में होने वाले ऐसी प्रकार के कार्यक्रम में पुनः आयोजन का आयोजन किया।

योग को लेकर आयोगदेवनाथ दुर्गा हैं। उन्होंने छात्रों के बीच बढ़ रहे तनाव के प्रति चिंताजनक कोमलता बताया कि योग से उनकी सहायता से तय का सकता है। डॉ दुर्गा यादव, डॉ. रामशंकर और भी और डॉ. रामशंकर मीना जी ने भारत एवं विश्व में बढ़ते आयुर्वेद के महत्व पर अपने विचार रखे। आज इंडियन इंस्टीट्यूट के डॉ रामशंकर मीना ने मिलेट्स के महत्व पर बात करे। उन्होंने भोजन शैली में मिलेट्स को शामिल करने को कहा।

'आज के आज के भाग में आज इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन संस्थान के डॉ राम जी, मनमोहन ने आयुर्वेद के महत्वपूर्ण महत्व को रखा। इसी साथ में आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. शिवदत्त भगत ने लोगों को दूर करने हेतु आयुर्वेद पद्धति को अपनाने की गुहार की। उन्होंने कहा कि यह लोग आयुर्वेद के अनुसरण का पालन अगर करेंगे हैं।

योगदान के भोजन के बारे में राष्ट्र में डिपार्टमेंट विशेषज्ञ जी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि आजकल कमरे भी आधुनिक जीवन शैली से प्रभावित हैं। बच्चों के भाग-दिन की जीवन शैली बच्चों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। उन्होंने भविष्य में बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। डॉ. प्रेमनारायण गैर गैर के संचालक डॉ. गौर गौर ने विशेषज्ञ टीम की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि हमारे ये आयोग लगातार गौर पहल प्रयास के शिकार हैं।

भारतीय योग संस्थान के डी देवनाथ ने उपस्थित वैज्ञानिकों को योग का महत्व बताते हुए प्राणायाम के बारे में भी बताया। आयोगदेवनाथ को योग वैज्ञानिक डॉ. नीता कुमार ने आयुर्वेद उपचार के साथ साथ नियमित प्राणायाम के प्रति प्रकाश डाले की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर आप हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनानी है तो अनुशासित भोजन अपनाना चाहिए। उन्होंने अनुशासित मिलेट्स को अपना कर हम अपना और अपने परिवार का स्वास्थ्य बेहतर रख सकते हैं।

दूसरे दिन अगस्त 26 अगस्त, 2023 के आयोजन की शुरुआत उस आयुर्वेद वर्ष की एक कविता से हुई। पुस्तक के इस भाग में राष्ट्रीय आयुष संस्थान के संचालक डॉ. विनित कुमार के साथ डॉ. दुर्गा यादव जी, डॉ. मनमोहन मोर जी और डॉ. रामशंकर मीना जी ने अपने विचार में रखे। डॉ. विनित कुमार ने बताया कि नहीं लोगों को तड़ आधुनिक जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि लोगों ने योग, सात्विक भोजन को अपना भगवान एवं साथ छूट जाना नहीं छोड़ते, यही कारण है कि आज औषधियों एवं आयुष्मान भारत ने लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया और भविष्य में होने वाले ऐसी प्रकार के कार्यक्रम में पुनः आयोजन का आयोजन किया।